

कैंसर का इलाज प्रतिरक्षा कोशिकाओं से

अमरीका के दो मरीज़ों पर किए गए परीक्षण से लगता है कि कैंसर से लड़ाई में स्वयं मरीज़ की प्रतिरक्षा कोशिकाएं मददगार हो सकती हैं। करना सिर्फ इतना होगा कि इन प्रतिरक्षा कोशिकाओं में थोड़ा जिनेटिक फेरबदल किया जाए।

ये दोनों मरीज़ प्रोस्टेट के कैंसर से पीड़ित थे। दोनों की प्रोस्टेट ग्रंथि निकाली जा चुकी थी। मगर आम तौर पर देखा गया है कि प्रोस्टेट ग्रंथि को निकाल दिए जाने के बाद भी कैंसर कोशिकाएं शरीर के अन्य अंगों में फैल जाती हैं और वहां विकसित होने लगती हैं। खास तौर से ये हड्डियों में पनपने लगती हैं। वर्तमान में इसके लिए जो औषधि उपचार उपलब्ध है वह नाकाम रहता है।

रोड आईलैण्ड के रॉजर विलियम्स मेडिकल सेंटर के रिचर्ड युंगहान्स व उनके साथियों ने उपरोक्त दो मरीज़ों के शरीर से सफेद रक्त कोशिकाएं प्राप्त कीं और उनमें जिनेटिक इंजीनियरिंग के तरीके से ऐसे परिवर्तन किए कि वे प्रोस्टेट ग्रंथि की कोशिकाओं की सतह पर मौजूद चिन्ह को पहचानने लगीं। शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं का काम अन्य कोशिकाओं का सफाया करना होता है। अब ये सफेद रक्त कोशिकाएं प्रोस्टेट कोशिकाओं को पहचानने में सक्षम थीं। इन्हें वापस उसी मरीज़ के शरीर

में डाल दिया गया।

यह देखने के लिए कि क्या सफेद रक्त कोशिकाएं अपना काम कर रही हैं, शोधकर्ताओं ने प्रोस्टेट कोशिकाओं द्वारा निर्मित एक एंटीजन पर नज़र रखी। देखा गया कि एक मरीज़ के खून में इस एंटीजन की मात्रा में 50 प्रतिशत तथा दूसरे मरीज़ में 75 प्रतिशत कमी आई। यानी जिनेटिक फेरबदल वाली कोशिकाएं प्रोस्टेट कोशिकाओं को ढूंढ-ढूंढकर मारने का काम कर रही थीं।

अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ कैंसर रिसर्च की एक बैठक में उक्त परिणाम प्रस्तुत करते हुए युंगहान्स ने बताया कि सफेद रक्त कोशिकाओं को जब रक्त संचार में डाला जाता है तो वे ज़्यादा समय तक जीवित नहीं रहती। इसके लिए पहले मरीज़ के शरीर का अनुकूलन करने के लिए कीमोथेरेपी का सहारा लेना पड़ता है। इसके अलावा अभी यह पता लगाया जाना ज़रूरी है कि क्या ये सफेद रक्त कोशिकाएं मात्र प्रोस्टेट कोशिकाओं को मारती हैं या अन्य कोशिकाओं को भी निशाना बनाती हैं। इसके अलावा युंगहान्स मानते हैं कि 50-75 प्रतिशत कोशिकाओं का सफाया पर्याप्त नहीं है। लक्ष्य 100 प्रतिशत का होना चाहिए। इस तरीके की सफलता और सुरक्षा का अनुमान तो आगे के परीक्षणों से ही चल जाएगा। *(स्रोत फीचर्स)*